<u>सन्देश</u>

गुरु नानक देव की जयंती के शुभ अवसर पर, मैं सभी देशवासियों और विदेश में बसे सभी भारतीयों, विशेष रूप से सिख समुदाय के भाइयों और बहनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

गुरु नानक देव का जीवन और उनकी शिक्षाएं, समस्त मानव जाति के लिए प्रेरणा पुंज हैं। उन्होंने लोगों को एकता, समरसता, बंधुता, सौहार्द और सेवाभाव का मार्ग दिखाया और परिश्रम, ईमानदारी तथा आत्मसम्मान पर आधारित जीवनशैली का बोध कराने वाला आर्थिक दर्शन दिया।

गुरु नानक देव ने अपने अनुयायियों को 'इक ओंकार' का मूल मंत्र दिया और जाति, पंथ तथा स्त्री-पुरुष के आधार पर भेदभाव किए बिना, सभी मनुष्यों को समान भाव से देखने पर बल दिया। 'नाम जपो, कीरत करो और वंड छको' के संदेश में, उनकी सभी शिक्षाओं का सार निहित है।

आइए, गुरु नानक देव की जयंती के पावन अवसर पर, हम सब अपने आचरण में उनकी शिक्षाओं का पालन करें।

*****